Title: Need to compensate for the loss incurred by the farmers whose lands and crops have been heavily damaged in the process of deployment of forces on the Indo-Pakistan border of Rajasthan.

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : सम्माननीय अध्यक्ष जी, मेरा एक छोटा सा प्रश्न है और पार्टी से अबव है। मेरा निवेदन करना है कि हिन्दुस्तान से पाकिस्तान की जहां सीमा मिलती है, वहां पर सेना काफी समय से खड़ी हुई है। राजस्थान भी बहुत बड़ा प्रदेश है और राजस्थान की सीमा पर पाकिस्तान की सेना अड़ी हुई है और वहां भी सेना खड़ी हुई है। जब सेना खड़ी हुई है तो वहां पर खाइयां खोद दी गई हैं, सुरंगें बना दी गई हैं और बड़े-बड़े टेंकर पाकिस्तान पर आक्रमण करने के लिए, सैनिकों का मुकाबला करने के लिए बड़े-बड़े टेंकर वहां पर जाकर आते हैं। वहां पड़ाव डाल देने के कारण और सुरंग खुद जाने के कारण, खाइयां खोद देने के कारण किसानों की जमीन बर्बाद हो गई है। किसानों की जो खेती खड़ी हुई थी, उनकी खेती का मुआवजा भारत सरकार के द्वारा नहीं दिया गया है। कई जगह इस प्र ाकार की शिकायतें हैं, उन शिकायतों को दूर करने के लिए जिन किसानों की खेती बर्बाद हो गई है, जहां सुरंगें खुद गई हैं, खाइयां खुद गई हैं, वहां लोग रह रहे हैं, उन किसानों को उचित मुआवजा दिया जाये। वह मुआवजा भी या तो वहां का कलैक्टर दे या कोई सांसद दे, वहां का निर्वाचित प्रतिनिधि दे, लेकिन किसी पोलिटिकल पार्टी के लोग, कांग्रेस पार्टी के लोग यदि जाकर वहां पर मुआवजा देंगे तो मैं समझता हूं कि यह एक प्रकार से पार्टी का प्रचार-प्रसार होगा, इसलिए मेरा निवेदन करना है कि या तो वहां का कलैक्टर या कोई सैनिक या वहां का कोई चुना हुआ सांसद हो, उसके द्वारा किसानों को पैसा मिलना चाहिए, किसी पार्टी विशे के द्वारा नहीं मिलना चाहिए, यह मेरा आपके माध्यम से निवेदन है।

यही मेरा आपसे निवदेन है। मुझे उम्मीद है कि आप निश्चितरूप से इस पर कार्यवाही करने का काम करेंगे।